संकलित परीक्षा-1 (2016-17)

हिन्दी 'अ'

E

कक्षा दसवीं

Rollno - 10114
ID - 20130251908

निर्धारित समय : 3 घंटे | **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश:

(1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं-क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड - 'क'
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। **5**

विद्यार्थी जीवन में अनुशासनहीनता अत्यंत हानिकारक है। देश और समाज को अनुशासनहीनता से क्षति पहुँचती है। जो विद्यार्थी अनुशासन भंग करता है वह स्वयं अपने हाथों से अपने भविष्य को बिगाड़ता है बसों को आग लगाना, सरकारी सम्पत्ति को नष्ट करना, अध्यापकों और प्रोफेसरों का अपमान करना, स्कूल और कॉलेजों के नियमों का उल्लघंन करना और पढ़ाई के समय में राजनीतिक गतिविधियों में समय नष्ट करना इत्यादि कतिपय अनुशासनहीनता के रूप है। इस अनुशासनहीनता के व्यक्तिगत, सामाजिक, नैतिक, आर्थिक तथा कुछ अन्य कारण हो सकते हैं। कारण चाहे कोई भी हो पर यह विद्यार्थी का जीवन बिगाड़कर रख देती है। इस अनुशासनहीनता के कारण विद्यालयी पठन-पाठन उचित रूप से नहीं हो पाता। तत्पश्चात् होती है व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रवेश की समस्या और अन्ततः स्वयं व्यवसाय में हानि।

(i) विद्यार्थी जीवन में अत्यन्त हानिकारक है:

(क) अनुशासन (ख) गंदी सोहबत

(ग) साज शृंगार (घ) अनुशासनहीनता

(ii) देश और समाज को क्षति पहुंचती है:

(क) धन के अपव्यय से

(ख) साधनों की कमी से

(ग) कुशल अध्यापकों की कमी से

(घ) विद्यार्थियों द्वारा अनुशासन भंग करने से

(iii) जो विद्यार्थी अनुशासन भंग करता है, वह-

(क) देश समाज को लाभ पहुँचाता है

(ख) माता-पिता की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है

(ग) अपना भविष्य संवारता है

(घ) अपना भविष्य बिगाड़ता है

(iv) पढ़ाई के समय राजनीतिक गतिविधियों में समय व्यतीत करना होता है,

(क) अनुशासनहीनता

(ख) बुद्धिमानी

(ग) शालीनता

(घ) राजनीति में पहचान बनाने की अनिवार्य आवश्यकता।

(v) 'उल्लंघन' में उपसर्ग व मूल शब्द है:

(क) उल् + लंघन　　(ख) उत् + लंघन

(ग) उल्ल + घंन　　(ग) उ + लंघन

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। **5**

चिपको आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में चमोली जिले की रैणी गाँव की महिला मगंलदल की प्रमुख थीं गौरा देवी। 26 मार्च 1974 को जब उनके क्षेत्र के वन-ठेकेदार के कर्मचारी पेड़ों पर कुल्हाड़ा चलाने पहुँचे तब उनका वन ठेकेदारों के साथ संघर्ष हुआ। उन्होंने उन्हें समझाने का प्रयास किया कि वन ही जीवन हैं। यदि

पेड़ न रहेंगे तो हम निर्धन निर्बल और निर्जीव हो जाएँगे। पर कर्मचारी विवश थे। उन्होंने कहा कि हम तो नौकर हैं, आपको मालिक से या सरकार के बात करनी चाहिए। वे बाद में अपने पर आ गए। उन्होंने ठेकेदार को बुलाया जो बंदूक दिखाकर धमकाने लगा। पर गौरा देवी तो अपने पूरे गाँव की महिलाओं के साथ आई थीं। उन्होंने सभी महिलाओं को पेड़ों से चिपक जाने का आदेश दिया। महिलाएँ पेड़ों से चिपक गई। ठेकेदार और उसका पेड़-कटाई वाला दल बैरंग लौट गया। इसके बाद यह आंदोलन संपूर्ण उत्तराखंड में फैल गया। गौरा देवी की प्रेरणा से महिलाओं ने वृक्षों को रक्षा-सूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया।

(i) गौरा देवी ने अपने गाँव में जो दल बनाया था उसका नाम था-

(क) महिला शक्ति-दल (ख) पेड़ रक्षा दल

(ग) महिला मंगलदल (घ) महिला क्रांति दल।

(ii) वन के ठेकेदार ने महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार किया?

(क) उनको समझाया।

(ख) उन्हें बंदूक दिखाकर धमकाया।

(ग) उन्हें डंडों से पिटवाया।

(घ) नौकरों से कहा कि उन्हें वे पेड़ों से बांध दें।

(iii) चिपको आंदोलन प्रारंभ हुआ था-

(क) 26 मार्च 1974 को रैणी गाँ से।

(ख) 27 फरवरी 1975 को पत्थर गाँव से।

(ग) 23 जनवरी 1974 को चमोली गाँव से।

(घ) 28 फरवरी 1960 नैनी गाँव से।

(iv) महिलाओं ने पेड़ों की रक्षा का संकल्प लिया था उन्हें-

(क) रक्षा-सूत्र बांधकर। (ख) एक चुनरी उढ़ाकर

(ग) मंत्रोचार से अभिषेक करके। (घ) चिन्हित करके।

(v) 'निर्बल' का विलोम है,-

(क) सबल (ख) सुबल

(ग) दुर्बल (घ) बली

3. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। **5**

जो कुछ भी कहना होता है, संकेतो से कह जाते हैं
इस कारण तेरी महफिल में हम चुप बैठे रह जाते हैं
याद नहीं रह पाते, मिलते रोजाना कितने रस्ते में
पर तनिक देर ही मिलकर याद सदा रह जाते हैं
नदिया की धारा पर देखो, तारे चमकें कितने सुंदर
चाहे लेकिन पकड़ न पाएँ, छूट-फिसल बह जाते हैं
जाने क्यों लोगों के मुख पर हम मुख अपना ही पाते हैं
यों भाव मुखों पर उनके हाल हमारा कह जाते हैं
बहती रहती है अंतर्मन में सरिता नित अविरल सुख की
सारे सुख-दुख सलिल सदृश के इस सरिता में बह जाते हैं

(i) कवि का महफिल में चुप बैठे रह जाने का कारण है:

(क) कवि के पास कुछ कहने को न होना।

(ख) कवि का सब कुछ संकेतों से ही कहना।

(ग) कवि को बोलना नहीं आता है।

(घ) कवि को बहुत कुछ कहने का आदी होना।

(ii) कवि ने तारों के कहाँ चमकने की बात कहीं है:?

(क) नदियों को पार करके।

(ख) नदिया की धारा पर।

(ग) नदियों के रास्ते में आये पर्वत पर।

(घ) नदी के किनारे पर।

(iii) सारे सुख-दुख सलिल सदृश इस कविता में बह जाते हैं में अलंकार है-

(क) स्लेष (ख) अनुप्रास

(ग) यमक (घ) रूपक

(iv) नदी की धारा पर दिखने वाले सितारे छूट फिसल कर बह जाते है क्योंकि

(क) नदी गहरी है।

(ख) वे असली तारे नहीं तारों की परछाई है।

(ग) उन्हें बहुत चिकना बनाया गया है।

(घ) उनके ऊपर जादू का करतब है।

(v) कविता में निहित संदेश है कि व्यक्ति-

(क) मन का मेला होता है।

(ख) अंतर्मन से निर्मल होता है।

(ग) अन्य लोगों को अपने ही अनुरूप मानकर उनमें अपनी ही छवि देखता है

(घ) दूसरों से ईर्ष्या करता है।

3. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। **5**

उमड़ा करती है शक्ति वहीं, दिल में है भीषण दाह जहाँ
है वहीं बसा सौंदर्य सदा, सुंदरता की है चाह जहाँ

उस दिव्य सुंदरी के तन में
उसके कुसुमित मृदु आनन में
उस रूप-राशि के स्वप्नों को देखा करता था शाहजहाँ
वह शाहजहाँ की साम्राज्ञी चलती थी जो नित फूलों में
था शाहजहाँ का हृदय बसा जिसकी आँखों के कूलों में
सहसा राजा को छोड़ गई
वह स्वर्ग-सदन की ओर गई
नृप शीश घूमता गिर-गिर कर, प्रस्तर खंडों में, धूलों में
वह सूना लखकर राजमहल सहसा पागल बन जाता था
उठता स्मरण हृदय से जो नयनों तक जल बन जाता था
द्विगुणित गति से बढ़ता था दुख
नरपति की आँखों के सम्मुख
सुंदरतर मृदुल कल्पना का झट ताजमहल बन जाता था
स्मारक यह केवल नहीं मधुर, आशा का है निर्वाण यहाँ
दल प्रस्तर खंडों को छूकर देखों इनमें हैं बसते प्राण यहाँ।

(i) कवि के अनुसार सौन्दर्य वास करता है-

(क) सौन्दर्य को चाहने वाले में।

(ख) सौन्दर्य को सराहने वाले में।

(ग) सौन्दर्यके निन्दक में।

(घ) सुंदर भवनों में।

(ii) 'स्वर्ग-सदन' की ओर जाने का अर्थ है-

(क) स्वर्ग जैसे सुंदर घर में आना।

(ख) स्वर्ग के समान सुंदर स्थान पर जाना।

(ग) शरीर छोड़कर स्वर्ग लोक में जाना।

(घ) स्वर्ग जैसे वातावरण में रहना।

(iii) 'उठता स्मरण हृदय से जो नयनों तक जल बन जाता था' का आशय है-

(क) राजा दुखी हो जाता था।

(ख) साम्राज्ञी का स्मरण करके दिल बेचैन हो उठता था।

(ग) उसकी याद में राजा रोने लगता था।

(घ) उसको याद करके उसका दिल पिघलने लगता था।

(iv) कविता का शीर्षक हो सकता है।

(क) एक राजमहल (ख) ताजमहल

(ग) एक स्मारक (घ) कवि का प्रेम।

(v) 'है वहीं बसा सौदर्य सदा, सुंदरता की है चाह जहाँ' में अलंकार है?

(क) श्लेष (ख) यमक

(ग) अनुप्रास (घ) उपमा

खण्ड - 'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

5. निम्नलिखित वाक्यों को रचना के आधार पर निर्देशानुसार बदलिए- 3

(क) जब मैं रात को देर से सोता हूँ तो सवेरे जल्दी नहीं जग पाता। (सरल वाक्य में)

(ख) कठिन परिश्रम के बिना कोई बड़ा आदमी नहीं बन सकता। (मिश्र वाक्य में।)

(ग) जब किसान ने बैल खूंटे से खोल दिए तब वे दूर खेतों में जा चरने लगे।(संयुक्त वाक्य में।)

6. निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार वाक्य-परिवर्तन कीजिए- 3

(क) मै नहीं पढ़ता। (भाव वाच्य में)

(ख) रामकिशन दिन में फल खाता है। (कर्मवाच्य में।)

(ग) आज घूमने चला जाए। (कर्तृवाच्य में।)

(घ) सुमित द्वारा कविता पढ़ी गई। (कर्तृवाच्य में।)

7. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए। 4

(क) तुम कल कहां गए थे?

(ख) बच्चों को खेलने शाम को ही भेजा करो।

(ग) वे विद्यालय गए परंतु वहां अवकाश था।

(घ) सुरेश वहां नौकरी करता है।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। 4

(क) 'रौद्र' तथा 'शांत' रसों के स्थायी भाव लिखिए।

(ख) निम्नांकित काव्य-पंक्तियों में निहित रसों के नाम लिखिए।

(i) जोरावर भइया के घर में बीमारी घर कर गई।
कल ही उसकी सुधड़ पतोहू तड़प-तड़प कर मर गई।।

(ii) कबहुँ पलक हरि मूँदि लेत हैं, कबहुँ अधर फ़रकावत।
सोवत जानि मौन ह्वै रहि-रहि करि करि सैन बतावत।।

खण्ड - 'ग'
(पाठय-पुस्तक)

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2+2+1) 5

पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी सीनियर कलाकार

को ही अवसर देने का निर्णय लिया गया होगा, और अंत में कस्बे के इकलौते हाईस्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर-मान लीजिए मोतीलालजी- को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने-भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

(1) छोटे कस्बों में नगरपालिकाओं को किसी सार्वजनिक निर्माण में कौन-कौन सी समस्याएं सामने आती है?

(2) सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति के निर्माण में कस्बे की नगरपालिका को काफी समय लगा होगा। लेखक द्वारा ऐसा सोचने के क्या कारण हैं?

(3) मूर्ति बनाकर 'पटक देने' में छिपे व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए- 10

(i) शीतकालीन संगीत साधना में तल्लीन बालगोबिन भगत की वेशभूषा तथा साधना प्रक्रिया का संक्षिप्त वर्णन पठित पाठ के आधार पर कीजिए।

(ii) नवाब साहब द्वारा खीरा खाए बिना डकार लिए जाने को आप उनकी कैसी और किस भाव से उपजी प्रक्रिया मानते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(iii) ''यज्ञ की पवित्र आग की आंच सी'' किसके लिए कहा गया है और क्यों? 'मानवीय करूणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iv) नेताजी की मूर्ति बनवाने को लेकर लेखक द्वारा बताई नगरपालिकाओं की कार्यप्रणाली को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(v) बाल गोबिन भगत कबीर के सच्चे भक्त थे उनके जीवन के आधार पर एक कबीर पंथी की जीवन शैली कैसी होनी चाहिए?

11. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1) 5

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तो ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी।।

(क) 'हारिल की लकरी' किनके लिए प्रयुक्त हुआ है? कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) गोपियों को योग-संदेश किसके समान लग रहा है और क्यों?

(ग) गोपियों के लिए कौन किस प्रकार की व्याधि लेकर आ गया है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए- **10**

(i) ''पट पीत'' तथा '' बनमाल'' किसकी प्रिय वस्तुएं मानी जाती है? वे अपनी किन क्रियाओं के कारण लोक में विख्यात हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ii) आत्म-कथा सुनाने के विषय में कवि प्रसाद जी ऐसा क्यों कहते हैं कि 'अभी समय भी नहीं है'?

(iii) ''यह दंतुरित मुस्कान'' कविता आपके मन पर क्या प्रभाव छोड़ती है? संक्षेप में लिखिए।

(iv) 'विकल विकल, उन्मन थे उन्मन' का भाव स्पष्ट करते हुए इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए।

(v) ''चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही'' पंक्ति का भाव सूरदास के पद के आधार पर प्रसंग सहित स्पष्ट कीजिए।

13. ''माता का अंचल'' पाठ को पढ़कर माता की स्नेहमयता का जो रूप उभरता है, उसे पठित पाठ की किन्हीं दो घटनाओं के द्वारा स्पष्ट करते हुए परिवार में माता के स्थान और महत्व पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। आप इस पाठ से क्या शिक्षा ग्रहण करते हैं?

खण्ड - 'घ'
(लेखन)

---

14. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निंबध लिखिए। **10**

इंटरनेट और हम

* प्रस्तावना

* इंटरनेट का स्वरूप और तकनीकी

* हमारे लिए लाभ
* विविध दुरुपयोगों से बचाव
* उपसंहार

अथवा

विज्ञापन का जीवन पर प्रभाव

* भूमिका
* विज्ञापन का आशय
* आधिक्य
* प्रभाव
* उपसंहार

अथवा

व्यायाम और जीवन

* भूमिका- व्यायाम का स्वरूप
* मानव शरीर
* व्यायाम की शारीरिक तथा मानसिक स्थितियों में उपयोगिता।
* महत्त्व
* उपसंहार (अपना मत)

15. 'भारत टाइम्स' समाचार-पत्र के संपादक को 'छात्र-जीवन और अनुशासन' से संबंधित अपना लेख प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए एक पत्र लिखिए।

16. **निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और लगभग एक तिहाई शब्दों में उसका सार लिखिए।** 5

महाभारत इस अर्थ में भी भिन्न है कि यह युगों के संधिकाल का विलक्षण प्रतिनिधित्व करता है। महाभारत काल के विषय में न केवल भारतीय विद्वान बल्कि आम जनता भी यही मानती है कि द्वापर और कलियुग के बीच में अर्थात् या तो द्वापर के अंत में या कलियुग के आरंभ में महाभारत का युद्ध हुआ। द्वापर और कलियुग के इस महान् संक्रमण काल के विशिष्ट लक्षणों का महाभारत में बड़ा अद्‌भुत तथा रोमांचकारी रूप से यथार्थ चित्रण मिलता है। यह वह युग था जब प्राचीन परंपराएं और मान्यताएं छिन्न-भिन्न हो रही थीं।' और नयी मान्यताएँ पूरी तरह से अस्तित्व में नहीं आयीं थीं। इस प्रकार महाभारत-युग प्राचीन एवं नवीन मान्यताओं का अद्‌भुत मिश्रण था।

❑ ❑ ❑